



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, १७ जुलाई, १९९१/२६ अगस्त, १९१३

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग

(विधायी एवं राजभाषा खण्ड)

अधिसूचना

शिमला-२, १ अगस्त, १९९०

संख्या एल० एल० आर० (राजभाषा) बी (१६)-१४/९०.—हिमाचल प्रदेश के  
राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश राजभाषा (अनुपूरक उपबन्ध) अधिनियम, १९८१ (१९८१ का

12) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए "दि हिमाचल प्रदेश मोटर विहिकल्ज टैक्सेशन ऐक्ट, 1972 (1972 का 4)" के, संलग्न अधिप्रमाणित राजभाषा रूपांतर को एतद्द्वारा राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित करने का आदेश देते हैं। यह उक्त अधिनियम का राजभाषा (हिन्दी) में प्राधिकृत पाठ समझा जाएगा और इसका परिणामस्वरूप भविष्य में यदि उक्त अधिनियम में कोई संशोधन करना अपेक्षित हो, तो वह राजभाषा में ही करना अनिवार्य होगा।

हस्ताक्षरित/-  
सचिव।

## हिमाचल प्रदेश मोटर यान कराधान अधिनियम, 1972

(1973 का 4)

(1-1-1990 को यथा विद्यमान)

हिमाचल प्रदेश राज्य में मोटर यानों पर कर का अधिरोपण करने और उससे सम्बन्धित अन्य विषयों पर के लिए अधिनियम।

भारत गणराज्य के तेईसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश मोटर यान कराधान अधिनियम, 1972 है। संक्षिप्त नाम,  
विस्तार  
और प्रारम्भ।
- (2) इसका विस्तार सम्पूर्ण हिमाचल प्रदेश राज्य पर है।
- (3) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2. इस अधिनियम में, जब तक कि विषय या संदर्भ में कोई बात विरुद्ध परिभाषाएँ।  
न हो :—

- (क) "आयुक्त" से हिमाचल प्रदेश का मण्डल आयुक्त अभिप्रेत है;
- (ख) "विहित" से इस अधिनियम के अधीन बनाए गए नियमों द्वारा विहित अभिप्रेत है;
- (ग) "तिमाही" से जिसका अवसान प्रत्येक वर्ष के 31 मार्च, 30 जून, 30 सितम्बर या 31 दिसम्बर को अवसित होने वाली, तीन कलेंडर मास की अवधि अभिप्रेत है;
- (घ) "रजिस्ट्रीकृत स्वामी" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसके नाम मोटर यान अधिनियम, 1939 (1939 का 4) के अधीन मोटर यान रजिस्टर्ड है;
- (ङ) "राज्य सरकार" से हिमाचल प्रदेश सरकार अभिप्रेत है;
- (च) "कराधान प्राधिकारी" से राज्य सरकार द्वारा, अधिसूचना द्वारा, इस अधिनियम द्वारा या उसके अधीन कराधान प्राधिकारी को प्रदत्त या उस पर अधिरोपित शक्तियों का प्रयोग करने और कर्तव्यों का पालन करने के लिए, नियुक्त कोई व्यक्ति या प्राधिकारी अभिप्रेत है;
- (छ) "कर" से इस अधिनियम के अधीन उद्गृहीत कर अभिप्रेत है;
- (ज) टैम्पों से माल वहन के लिए निर्मित या बनाया गया तिपहिया मोटर यान या कोई ऐसा मोटर यान अभिप्रेत है जो इस प्रकार निर्मित या बनाया गया नहीं है किन्तु केवल माल या यात्रियों सहित माल के वहन में प्रयोग किया जाए।
- (झ) "टोकन" से मोटर यान पर इस बात के सूचक के रूप संप्रदर्शित किया जाने वाला टिकट अभिप्रेत है कि उस पर उद्ग्रहणीय कर सम्यक रूप से संवत् कर दिया गया है या कोई भी कर देय नहीं है;
- (ञ) "वर्ष" से वित्तीय वर्ष अभिप्रेत है;
- (ट) अर्थ सभी शब्द और पद जो इस अधिनियम में प्रयुक्त हैं किन्तु इसमें परिभाषित नहीं हैं और मोटर यान अधिनियम, 1939 (1939 का 4)

में परिभाषित है, उनके वही अर्थ होंगे जो उस अधिनियम में उनके हैं।

कर का  
उद्ग्रहण।

3. (1) इस अधिनियम के अन्य उपबन्धों के अधीन रहते हुए, इस अधिनियम के प्रारम्भ की आर से हिमाचल प्रदेश में उपयोग किए गए या उपयोग के लिए रखे गए सभी मोटर यानों पर, अनुसूची में विनिर्दिष्ट दर से कर उद्गृहीत और संगृहीत किया जाएगा।

(2) राज्य सरकार, समय-समय पर अधिसूचना द्वारा अनुसूची में विनिर्दिष्ट दरों में परिवर्तन कर सकेगी;

परन्तु ऐसी परिवर्तित दरें अनुसूची में प्रत्येक प्रकार के मोटर यान के लिए विहित दरों के दोगुणा से अधिक नहीं होंगी, सिवाए उन मोटर यानों के जो पूर्णतः व्यापार और उद्योग के अनुकूल में माल या सामग्री के वहन के लिए प्रयोग किए जाते हैं जिसकी एक वर्ष की अवधि के लिए अधिकतम सीमा छः हजार रुपये होगी।

घोषणा और  
कर संदाय।

4. (1) हिमाचल प्रदेश में प्रयोग किए गए या प्रयोग के लिए रखे गए मोटर यान का प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत स्वामी या उस पर कब्जा या नियन्त्रण रखने वाला व्यक्ति विहित विनिर्दिष्टों का कथन करते हुए विहित प्रत्येक में घोषणा भरेगा और हस्ताक्षरित करेगा और उसे विहित समय के भीतर प्राधान्य अधिकारी को प्रदत्त करेगा।

(2) कोई कर, जिसके लिए मोटर यान का प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत स्वामी या उस पर कब्जा या नियन्त्रण रखने वाला कोई व्यक्ति द्वारा 3 के अधीन ऐसी घोषणा द्वारा बायीं प्रतीत होता है, उस द्वारा निम्नलिखित रूप में संदत्त किया जाएगा :—

- (क) एक वर्ष के लिए अनुसूची में विनिर्दिष्ट दर पर (जिसे इसमें इसके पश्चात् वार्षिक दर निदिष्ट किया गया है); या
- (ख) एक या एक से अधिक तिमाहियों के लिए वार्षिक दर का एक चौथाई पर प्रत्येक तिमाही के लिए; या
- (ग) तिमाही के अन्तिम दिन को समाप्त होने वाली तिमाही से कम किसी अवधि के लिए प्रत्येक पूर्ण मास या ऐसी अवधि में सम्मिलित उसके किसी भाग के लिए, वार्षिक दर के बाह्यत्वे (1/12) भाग पर:

परन्तु प्राइवेट कारों और प्राइवेट वाहक अनुज्ञप्तियों के अन्तर्गत आने वाले यानों के लिए कर हमेशा एक वर्ष के लिए संदत्त किया जाएगा सिवाए पहली बार संदत्त किए जाने के समय के जिस दशा में यह ठीक आगामी 31 मार्च की अवधि के लिए होगा:

परन्तु यह और कि यदि रजिस्ट्रीकृत स्वामी या मोटर यान पर कब्जा या नियन्त्रण रखने वाला व्यक्ति एक वर्ष से अधिक के लिए कर अग्रिम रूप में संदत्त करना चाहता है तो वह ऐसा करने के लिए स्वतन्त्र होगा।

(3) यह कर ऐसे समय के भीतर और ऐसी गति में संदत्त किया जाएगा जैसा कि विहित की जाए।

(4) एक वर्ष से कम की अवधि के लिए देय कर की संगणना करते समय, रुपये का ग्रंथ रुपये के बराबर गिना जाएगा।

5. (1) जब कोई व्यक्ति धारा 3 के अधीन किसी मोटर यान के सम्बन्ध में उदगृहीत कर का संदाय करता है या कराधान प्राधिकारी के समाधानप्रद रूप में यह साबित कर देता है कि ऐसे यान के सम्बन्ध में ऐसा कोई कर देय नहीं है तो कराधान अधिकारी— टोकन दिया जाना।

(क) ऐसे व्यक्ति को विहित प्ररूप में टोकन जारी करेगा, जिसमें यह उस अवधि को विनिर्दिष्ट करेगा जिसके लिए ऐसा कर संदत्त कर दिया गया है या जिसके लिए ऐसा कर संदेय नहीं है; और

(ख) मोटर यान अधिनियम, 1939 (1939 का 4) के अधीन यान के सम्बन्ध में प्रदात किए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र में या ऐसी स्थिति में जब यान इस अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत नहीं है, ऐसे प्ररूप में प्रमाण पत्र में, जैसा कि विहित किया जाए, यथास्थिति, यह विनिर्दिष्ट करेगा कि खण्ड (क) के अधीन विनिर्दिष्ट अवधि के लिए कर संदत्त कर दिया गया है या उस यान के सम्बन्ध में कोई कर देय नहीं है:

परन्तु हिमाचल प्रदेश यात्री और माल कराधान अधिनियम, 1955 (1955 का 15) की धारा 2 के खण्ड (3) में यथापरिभाषित मोटर यानों के सम्बन्ध में किसी ऐसे व्यक्ति को टोकन नहीं दिया जाएगा जिसे उस मोटर यान के सम्बन्ध में इस अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र अनुदत्त नहीं किया गया है।

(2) इस अधिनियम के अधीन कर के दायित्वधारी किसी मोटर यान को हिमाचल प्रदेश में तब तक उपयोग में नहीं लाया जाएगा या उपयोग के लिए नहीं रखा जाएगा जब तक कि ऐसे यान के रजिस्ट्रीकृत स्वामी या उस पर कब्जा अथवा नियंत्रण रखने वाले किसी व्यक्ति ने उस यान के सम्बन्ध में विधिमार्ग टोकन अभी प्राप्त न कर लिया हो और वह टोकन विहित रीति से यान पर प्रदर्शित न कर दिया हो।

6. (1) जब हिमाचल प्रदेश में उपयोग में लाए गए या उपयोग के लिए रखे गए मोटर यान में परिवर्तन किया जाता है या ऐसी रीति में उपयोग में लाए जाने के लिए प्रस्तावित किया जाता है जिससे रजिस्ट्रीकृत स्वामी या ऐसे यान पर कब्जा या नियंत्रण रखने वाला कोई व्यक्ति धारा 7 के अधीन अतिरिक्त कर के संदाय के लिए दायी हो जाए तो ऐसा स्वामी या व्यक्ति उपधारा (2) में उपबन्धित रीति में अतिरिक्त घोषणा भरेगा, हस्ताक्षरित करेगा और परित्त करेगा और ऐसी अतिरिक्त घोषणा के साथ (ऐसे मोटर यान के सम्बन्ध में रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्रों सहित) उस धारा के अधीन देय उतने अतिरिक्त कर का संदाय कराधान अधिकारी को करेगा जिसके लिए वह यान के सम्बन्ध में ऐसी घोषणा द्वारा संदत्त करने के लिए दायी प्रतीत होता है। अतिरिक्त घोषणा।

(2) अतिरिक्त घोषणा विहित विनिर्देशों से युक्त विहित प्ररूप में की जाएगी और विहित समय के भीतर सम्पूर्ण रूप से भरने और हस्ताक्षरित करने के पश्चात् कराधान अधिकारी को परित्त की जाएगी। अतिरिक्त घोषणा में स्पष्ट तौर पर, यथा स्थिति, मोटर यान में किए गए परिवर्तन का स्वरूप या परिवर्तित प्रयोग जिसके लिए यान प्रस्तावित किया गया है भी, उल्लेखित किया जाएगा।

(3) उप-धारा (1) के अधीन अतिरिक्त कर को प्राप्ति पर कराधान अधिकारी रजिस्ट्रीकृत स्वामी या मोटर यान पर कब्जा या नियन्त्रण रखने वाले किसी व्यक्ति को मूल टोकन के स्थान पर एक नया टोकन जारी करेगा और ऐसे संदाय को प्रवर्णित रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र में करवाएगा।

अतिरिक्त  
कर के लिए  
दायित्व।

7. जब किसी मोटर यान में जिसके सम्बन्ध में किसी अवधि के लिए कर देय है या संदत्त कर दिया गया है, ऐसी अवधि के दौरान परिवर्तन किया गया हो या ऐसी अवधि में ऐसी रीति में प्रयोग के लिए प्रस्तावित किया जाए जिसके सम्बन्ध में उच्चतर दर पर कर संदेय हो तो रजिस्ट्रीकृत स्वामी या यान पर कब्जा या नियन्त्रण रखने वाला व्यक्ति उस अवधि के लिए उस द्वारा देय कर के अतिरिक्त, यदि कोई हो, ऐसी अवधि के अनवसित प्रभाग के लिए; जब से यान में परिवर्तन किया गया है या प्रयोग में लाए जाने के लिए प्रस्तावित है, ऐसे अनवसित प्रभाग के लिए उच्चतर दर पर देय और उस दर पर देय कर की राशि के अन्तर के बराबर जिस पर कर परिवर्तन या यान के उस प्रभाग के लिए प्रयोग से पहले कर संदेय था या संदत्त किया गया था, अतिरिक्त कर संदत्त करने के लिए दायी होगा; और अब तक ऐसा अतिरिक्त कर संदत्त नहीं कर दिया जाता है, तब तक कराधान प्राधिकारी इस प्रकार परिवर्तित या इस प्रकार प्रयोग के लिए प्रस्तावित यान के सम्बन्ध में नया टोकन जारी नहीं करेगा।

स्पष्टीकरण:—इस धारा के अधीन अनवसित प्रभाग की संगणना करते समय मास की किसी खंडित अवधि को पूर्ण मास माना जायेगा।

घोषणा  
करने और  
कर के संदाय  
के लिए  
विशेष  
नोटिस को  
तामीन।

8. कराधान प्राधिकारी किसी व्यक्ति पर विशेष नोटिस की तामील करने का निदेश कर सकेगा, जिसमें ऐसे व्यक्ति से नोटिस के साथ लगे घोषणा प्ररूप को यह कथन करते हुए भरने, हस्ताक्षरित करने और ऐसे नोटिस में नामित व्यक्ति को परिदत्त करने की अपेक्षा की जा सकेगी कि क्या ऐसा व्यक्ति किसी कर के संदाय और उस कर की जिसके लिए वह ऐसी घोषणा द्वारा दायी प्रतीत होता है, उसमें नामित व्यक्ति को ऐसे विशेष नोटिस की तामील से 14 दिन की समाप्ति से पूर्व संदत्त करने के लिए दायी है।

मोटरयान के  
स्वामित्व,  
कब्जा या  
नियन्त्रण के  
उत्तरवर्ती  
व्यक्ति का  
कर को  
वकाया के  
संदाय के  
लिए दायित्व

9. (1) यदि किसी मोटर यान के सम्बन्ध में उद्गृहीत कर, उसके संदाय के लिए दायी व्यक्ति द्वारा असंदत्त रहता है और ऐसे व्यक्ति में कर का संदाय करने से पूर्व ऐसे यान का स्वामित्व अन्तरित कर दिया है या उसका ऐसे यान पर कब्जा या नियन्त्रण समाप्त हो गया है तो वह व्यक्ति जिस यान का स्वामित्व अन्तरित किया गया है या ऐसा व्यक्ति जिसका ऐसे यान पर कब्जा या नियन्त्रण है, कराधान अधिकारी को तथाकथित कर संदत्त करने के लिए दायी होगा।

(2) इस धारा की कोई भी बात किसी व्यक्ति के तथाकथित कर के संदाय के दायित्व को, प्रभावित नहीं करेगी जिसने स्वामित्व का अन्तरण कर दिया है या जिसका ऐसे यान पर कब्जा या नियन्त्रण समाप्त हो गया है।

कर का  
प्रतिदाय।

10. (1) जब कोई व्यक्ति जिसने मोटर यान के सम्बन्ध में कर संदत्त कर दिया है, कराधान अधिकारी के समक्ष रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र यह कथन करते हुए पेश करता है कि ऐसे मोटर यान के सम्बन्ध में कर, टोकन और रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र, रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा प्रमाण-पत्र में विनिर्दिष्ट तारीख को अर्पित कर दिए गए हैं, तो ऐसा व्यक्ति उस सम्बन्ध में कराधान अधिकारी को आवदन करने पर और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो विहित की जाएं, ऐसी अवधि के प्रत्येक

पूर्ण मास के लिए जिसके लिए ऐसा कर संदत्त किया है और जो ऐसी तारीख को समाप्त नहीं हुई है जिसमें कर टोकन और रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र अभ्यर्पित किए गए थे ऐसे मोटर यान के सम्बन्ध में देय वार्षिक कर के 1/12 के बराबर राशि के प्रतिदाय का हकदार होगा।

(2) जब किसी व्यक्ति ने मोटर यान के सम्बन्ध में कर संदत्त कर दिया हो और यान को उस अवधि की समाप्ति से पूर्व जिसके लिए कर संदत्त कर दिया गया है हिमाचल प्रदेश से बाहर ले जाया जा चुका हो और उस पर दूसरे राज्य में कर लगाया जाता है, तो ऐसा व्यक्ति, उस निमित्त कराधान अधिकारी को आवेदन करने पर और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो विहित की जाएँ, ऐसी अवधि के प्रत्येक पूर्ण मास के लिए जिसके लिए ऐसा कर संदत्त कर दिया गया है और उस अवधि के लिए जिसके दौरान यान हिमाचल प्रदेश से बाहर से लाया गया था ऐसे मोटर यान के सम्बन्ध में देय वार्षिक कर के 1/12 के बराबर राशि के, प्रतिदाय का हकदार होगा।

11. जब कोई रजिस्ट्रीकृत स्वामी या हिमाचल प्रदेश में प्रयोग में जाए गए या प्रयोग के लिए रखे गए यान पर कब्जा या नियन्त्रण रखने वाला कोई व्यक्ति, कर के संदाय में व्यतिक्रम करता है तो कराधान अधिकारी, यह निदेश कर सकेगा कि बकाया की राशि के अतिरिक्त ऐसे यान के सम्बन्ध में देय वार्षिक कर से अनधिक की राशि या उस द्वारा देय कर की राशि से दुगुनी राशि, जो भी उच्चतर है, उससे शास्ति के रूप में वसूल की जायेगी :

परन्तु ऐसा निदेश देने से पूर्व, रजिस्ट्रीकृत स्वामी या ऐसे व्यक्ति को सुनवाई का अवसर दिया जायेगा।

देय शास्ति  
जब कर  
का संदाय  
न किया  
गया हो।

12. (1) इस अधिनियम के द्वारा या उसके अधीन यथा उपबंधित कोई देय और असंदत्त कर और धारा 11 के अधीन शास्ति के रूप में वसूली कोई राशि, उन्नी रीति में वसूली होगी जिसमें भू-राजस्व की बकाया वसूल होती है।

(2) जब कोई व्यक्ति ऐसे संदाय के लिए नियत अवधि की समाप्ति से एक महीने के भीतर कर की किस्त का संदाय करने की अपेक्षा करता है या संदाय करने से इन्कार करता है तो कराधान अधिकारी उस व्यक्ति द्वारा देय कर की राशि को विनिर्दिष्ट करते हुए अपने हस्ताक्षराधीन एक प्रमाण-पत्र कलक्टर को प्रेषित कर सकेगा और ऐसे प्रमाण-पत्र की प्राप्ति कर कलक्टर उसमें विनिर्दिष्ट राशि को ऐसे व्यक्ति से वसूल करने के लिए कार्यवाही करेगा मानों कि यह भू-राजस्व की बकाया राशि हो।

कर और  
शास्ति की  
बकाया का  
भूराजस्व को  
बकाया के  
रूप में  
वसूली  
होता।

(3) वह मोटरयान जिसके सम्बन्ध में कोई कर देय है या जिसके सम्बन्ध में कोई राशि धारा 11 के अधीन शास्ति के रूप में वसूल करने के लिए निर्दिष्ट की गई है या इसके उप-साधन इस धारा के अनुसरण में करस्थम और विक्रय की जा सकेंगी चाहे ऐसा यान या उप-साधन कर या शास्ति का संदाय करने के लिए दायी व्यक्ति के कब्जे में है या नहीं।

13. जहाँ मोटर यान के सम्बन्ध में मोटर यान कराधान सम्बन्धी दूसरे राज्य में प्रवृत्त विधि के अधीन देय कर उस राज्य में किसी अवधि के लिये संदत्त कर दिया है और मोटर यान को उस अवधि के दौरान हिमाचल प्रदेश में प्रयोग के लिए लाया जाता है, तब—

हिमाचल  
प्रदेश में  
लाए गए  
मोटर यान  
के सम्बन्ध  
में कर के  
दूसरे राज्य  
में संदाय  
का प्रभाव।

(i) उस मोटर यान के सम्बन्ध में इस अधिनियम के अधीन कोई कर संदेय नहीं होगा, और

(ii) उस राज्य में उस मोटर यान के सम्बन्ध में जारी किया गया टोकन, ऐसी अवधि के लिए या उस तारीख से 90 दिन की अवधि के लिए जिसको

मोटर यान हिमाचल प्रदेश में लाया गया है जो भी लघुतर हो, इस अधिनियम के अधीन जारी किया गया टोकन माना जायेगा :

परन्तु यह तब जब कि रजिस्ट्रीकृत स्वामी या मोटर यान पर कब्जा या नियन्त्रण रखने वाला व्यक्ति धारा 4 की उप-धारा (1) के उपबन्धों का अनुपालन करता है।

छूटे।

14. (1) जहाँ रजिस्ट्रीकृत स्वामी या मोटर यान पर कब्जा या नियन्त्रण रखने वाला व्यक्ति कृषक है और उस मोटर यान की परिकल्पना कृषि क्रियाओं के लिए की गई है और उसे पूर्णतया अपनी भूमि से संबद्ध ऐसी क्रियाओं के लिये प्रयोग किया जाता है तब वह यान कर के संदाय से मुक्त होगा।

स्पष्टीकरण:—इस उप-धारा के प्रयोजनों के लिये पद “कृषि क्रियाएँ” के अन्तर्गत निम्नलिखित है :—

- (i) जोतना, बोना, काटना, किसी कृषि उपज का पीसना या कृषि के प्रयोजनों के लिए की गई कोई अन्य ऐसी ही क्रियाएँ;
- (ii) खाद, बीज, कीटनाशी और भूमि में कार्य के लिए अपेक्षित ऐसी ही अन्य वस्तुओं का मण्डी से भूमि तक वहन करना; और
- (iii) किसी कृषि उपज का भूमि से भंडारण के स्थान तक या भंडारण के स्थान से मण्डी तक वहन करना।

(2) जब रजिस्ट्रीकृत स्वामी या कब्जा अथवा नियन्त्रण रखने वाले व्यक्ति ने कराधान अधिकारी को पूर्व लिखित सूचना दे दी हो कि मोटर यान किसी सार्वजनिक स्थान में किसी विशिष्ट अवधि के लिए, जो एक मास से कम नहीं होगी, प्रयोग में नहीं लाया जायेगा और ऐसे मोटर यान के रजिस्ट्रेशन प्रमाण-पत्र को कराधान अधिकारी के पास जमा करवा देता है और उस अधिकारी से उसकी अभिस्वीकृति अभिप्राप्त कर लेता है तो उसे उस अवधि के लिए कर के संदाय से छूट दी जायेगी।

(3) जहाँ राज्य सरकार की यह राय हो कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहाँ वह राजपत्र में अधिसूचना द्वारा और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जैसी वह अधिसूचना में विनिर्दिष्ट करे, उप-धारा (1) के अन्तर्गत आने वाले से भिन्न मोटर यान के किसी वर्ग को या व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग से सम्बन्धित किसी मोटरयान को पूर्णतया या भागतः कर से मुक्त कर सकेगा।

(4) कोई व्यक्ति जो केवल उद्योग और व्यापार के अनुक्रम में प्रयोग करने के लिए 25 मोटर यानों से अधिक मोटर यान रखता है वह उस द्वारा देय कर के योग पर 10 प्रतिशत कटौती का हकदार होगा।

स्पष्टीकरण:—भाड़े पर वहन “व्यापार और उद्योग” अभिव्यक्ति के अन्तर्गत है।

(5) ऐसे व्यक्ति को जो धारा 4 के अधीन कर के संदाय के लिए दायी है 5 प्रतिशत की रिबंट दी जायेगी, यदि वह सारे वर्ष के लिए कर का संदाय एक किस्त में करता है।

(6) जो कोई भी मोटर यान के सम्बन्ध में किसी अवधि के लिये कर की किस्त संवत् करने के लिये दायी हो जाता है, किन्तु कराधान अधिकारी के समाधान प्रद रूप में यह साबित कर देता है कि उसने उस मोटर यान के सम्बन्ध में नगरपालिका, लघु



शहर समिति या छावनी प्राधिकरण द्वारा अधिरोपित कर को ऐसी अवधि के पूर्ण या किसी भाग के लिए जिसके लिए कर किस्त देय है, संदत कर दिया है, तो नगरपालिका, लघु नगर समिति या छावनी प्राधिकरण को उस अवधि के लिये संदत कर को उस अवधि की किस्त में से कटौती की जायेगी और कराधान अधिकारी रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र में उस सम्बन्ध में पृष्ठांकन करेगा।

15. (1) कर के निर्धारण, उद्ग्रहण या कर अवकाश शास्त्र की कम्पनी में सम्बन्धित किसी आदेश में व्यक्ति कोई व्यक्ति, ऐसे आदेश में 30 दिन की अवधि के भीतर ऐसे आदेश के विरुद्ध कानून को, या यदि कानून ऐसा अधिकारी है जिसने आदेश किया है तो आयुक्त को, अपील कर सकेगा। यथास्थिति, कानून या आयुक्त की अपील-आदेश अन्तिम और निष्पाद्यक होगा।

अपील

16. कोई वर्दीधारी पुलिस अधिकारी जो उप-निरीक्षक की पंक्ति से नीचे का न हो या इस निमित्त विहित कोई अधिकारी अपने समाधान के प्रयोजन के लिए कि ऐसे यान के सम्बन्ध में कर की राशि संदत कर दी गई है, निम्नलिखित कर सकेगा,—

पुलिस अधिकारियों और अन्य अधिकारियों की शक्तियाँ।

- (क) सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच किसी भी समय किसी परिसर में प्रवेश कर सकेगा जहाँ उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि कोई मोटर यान रखा गया है; या
- (ख) किसी मोटर यान के चालक से किसी सार्वजनिक स्थान में ऐसे यान को रोकने की अपेक्षा कर सकेगा और इसे तब तक खड़ी करवा सकेगा जब तक युक्तियुक्त रूप से आवश्यक हो।

17. जो कोई भी—

- (क) धारा 4 के अधीन घोषणा नहीं करता है;
- (ख) मोटर यान के सम्बन्ध में ऐसी घोषणा या अतिरिक्त घोषणा करता है, जिसमें इस अधिनियम द्वारा उसके अधीन या उसमें उप-वर्णित की जाने वाली अपेक्षित विधिपरिचयों का पूर्णतः और सत्यतः कथन नहीं किया गया है; या
- (ग) किसी भी अधिकारी को धारा 16 के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने में बाधा डालता है या उस धारा के खण्ड (ख) के अधीन उक्त अधिकारी द्वारा मोटर यान को रोकने की अपेक्षा किए जाने पर उसे नहीं रोकता है, दोषसिद्धि पर निम्नलिखित से दण्डनीय होगा :—

अपूर्ण और असत्य घोषणा के लिए शास्त्र

- (i) जुर्माने से जो उक्त यान के संरक्ष में संदेह वापित कर की राशि के बराबर हो सकेगा; और
- (ii) ऐसे व्यक्ति की दशा में जो पहले भी इस धारा के अधीन किसी अपराध में दोषसिद्ध है, जुर्माने से जो ऐसे यान के संरक्ष में संदेह कर की राशि के दुगुने के बराबर हो सकेगा।

18. जो कोई भी धारा 17 के अधीन दण्डनीय से अन्यथा इस अधिनियम या तत्धीन बनाए गए किन्हीं नियमों के उपबन्धों का भी उल्लंघन करता है वह दोषसिद्धि पर जुर्माने से जो 200 रुपये तक का हो सकेगा और ऐसे व्यक्ति की दशा में जो पहले भी इस धारा के अधीन किसी अपराध में दोषसिद्ध है, जुर्माने से जो 500 रुपये तक का हो सकेगा, दण्डनीय होगा।

अन्य शास्त्रियाँ।

अपराधों का विचारण। 19. मजिस्ट्रेट द्वितीय श्रेणी से निम्नतर कोई भी न्यायालय इस धारा के अधीन दण्डनीय किसी अपराध का विचारण नहीं करेगा।

कराधान के सामलों में सिविल और दण्डिक न्यायालयों की अधिकांशता का वर्जन। 20. किसी व्यक्ति का कर या शांति का संदाय करने का दायित्व इस अधिनियम या तदधीन बनाए गए नियमों में उपबन्धित के सिवाय किसी अन्य रीति में या किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा अवधारित या प्रस्तुत नहीं किया जायेगा और कोई भी अभियोजन, वाद या अन्य कार्यवाही किसी भी ऐसी बात के बारे में जो इस अधिनियम के अधीन सदभावपूर्वक की गई हो या की जाने के लिए आशयित हो किसी सरकारी अधिकारी के विरुद्ध न होगी।

राज्य सरकार की शक्ति। 21. (1) राज्य सरकार इस अधिनियम के उपबन्धों को कार्यान्वित करने के प्रयोजन के लिए पूर्व प्रकाशन के पश्चात् नियम बना सकेगी।

(2) विशेषतः और पूर्वगामी शक्तियों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, राज्य सरकार, निम्नलिखित सभी या किन्हीं प्रयोजनों के लिये नियम बना सकेगी, अर्थात्:—

- (क) किसी घोषणा, प्रमाण-पत्र या विशेष नोटिस का प्ररूप और उनमें कथित की जाने वाली विशिष्टता विहित करना;
- (ख) ऐसे अधिकारी, जिनके द्वारा किन्हीं कर्तव्यों का पालन किया जाना है और ऐसा क्षेत्र जिसमें वे अपने प्राधिकार का प्रयोग करेंगे, विहित करना;
- (ग) कर के निर्धारण और वसूली की पद्धति विनियमित करना;
- (घ) ऐसी रीति विनियमित करना जिसमें विशेष नोटिसों की तामील की जा सकेगी;
- (ङ) ऐसी रीति विनियमित करना जिसमें छूट या प्रतिदायों का दावा किया जा सकेगा और उनका मन्ज़ूर किया जा सकेगा;
- (च) ऐसी रीति विनियमित करना जिसमें अपीलें संस्थित की जा सकेगी और उनकी सुनवाई की जा सकेगी;
- (छ) टोकन का प्ररूप और रीति विहित करना, जिसमें वे संप्रदर्शित किए जायेंगे।

(3) इस धारा के अधीन बनाए किसी नियम में, राज्य सरकार, यह उपबन्ध कर सकेगी कि ऐसे नियम का उल्लंघन करने वाला कोई व्यक्ति जुर्माने से, जो 100 रुपये तक हो सकेगा, और उसी अपराध के लिए पश्चात्तवर्ती किसी दोषसिद्धि की दशा में जुर्माने से, जो 200 रुपये तक हो सकेगा, दण्डनीय होगा।

(4) इस धारा के अधीन बनाया गया प्रत्येक नियम बनाए जाने के पश्चात् दयाशील, विधान सभा के समक्ष, जब वह सत्र में हो, कुल मिलाकर चौदह दिन की अवधि के लिए रखा जायेगा। यह अवधि एक सत्र में अथवा दो या अधिक आनुक्रमिक सत्रों में पूरी हो सकेगी। यदि उस सत्र के, जिसमें यह इस प्रकार रखा गया है, या पूर्वोक्त आनुक्रमिक सत्रों के ठीक बाद के सत्र के अवसान से पूर्व विधान सभा, उस नियम में कोई परिवर्तन करने के लिए सहमत हो जाता है तो तत्पश्चात् वह नियम ऐसे परिवर्तित रूप में ही प्रभावी होगा। यदि उक्त अवसान के पूर्व विधान सभा विनिश्चय करती है कि वह नियम नहीं बनाया जाना चाहिए तो तत्पश्चात् वह निष्प्रभाव हो जायेगा। किन्तु नियम के ऐसे परिवर्तित या निष्प्रभाव होने से उसके अधीन पहले की गई किसी बात का विधानमन्त्रालय पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

22. (1) हिमाचल प्रदेश में सनाविट क्षेत्रों में 1 नवम्बर, 1966 से ठीक पूर्व यथा लागू, दि पंजाब मोटर व्हीकलज टैक्सेशन ऐक्ट, 1924 (4-आफ 1924), पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 (1966 का 31) की धारा 5 के अधीन हिमाचल प्रदेश में जोड़े गए क्षेत्रों में यथा प्रवृत्त दि पंजाब मोटर व्हीकलज ऐक्ट, 1924 (4 आफ 1924) और हिमाचल प्रदेश मोटर व्हीकलज एण्ड टैक्सेशन अध्यादेश, 1972 (4 आफ 1972) एनड्वारा निरसित किए जाते ह।

निरसन और  
व्यवृत्तियां।

(2) ऐसे निरसन के होने हुए भी उक्त अधिनियमों या अध्यादेश के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए की गई कोई बात या कार्रवाई या की जाने के लिये वास्तविक कोई बात (जिसके अन्तर्गत नियम, अधिसूचनाएं या किए गए या जारी किए गए आदेश है) इस अधिनियम के अधीन की गई समझी जायेगी।

### अनुसूची

(धारा 3 देखें)

मोटर यान का विवरण

कर की वार्षिक दर

	रु० पैसे
1. मोटर साईकिल (जिनके अन्तर्गत मोटर स्कूटर और उनकी यन्त्र शक्ति से चलाने के लिए संलग्नक साईकिल है) जिसका लदान रहित वजन 400 किलोग्राम से अधिक न हो:	
(क) साईकिल जिसका लदान रहित वजन 90 किलोग्राम से अधिक न हो;	25.00
(ख) साईकिल जिसका लदान रहित वजन 90 किलोग्राम से अधिक हो;	50.00
(ग) साईकिल जो ट्रेलर या साईडकार खींचने के उपयोग में लाई जाती है उसके लिए देय कर के अतिरिक्त	12.75
(घ) ट्राइसाईकिल (टैम्पू को छोड़ कर)	50.00
2. अण्डों के लिए अनुकूलित और उनके लिये उपयोग में लाए जाने वाले यान जो लदान रहित वजन में 250 किलो ग्राम से अधिक न हो	6.25
3. माल वहन के लिये व्यापार और उद्योग के अनुक्रम में पूर्णतया प्रयुक्त यान जिसके अन्तर्गत निजी वाहन अनुज्ञापत्र के अधीन आने वाले यान भी हैं (जिसके अन्तर्गत 400 किलोग्राम से अधिक लगान रहित ट्राइसाईकिल और टैम्पो भी हैं)---	
(क) विद्युत चालित, किन्तु जिनका लदान रहित भार 1250 किलोग्राम से अधिक न हो;	43.75
(ख) यथा पूर्वोक्त विद्युत चालित यानों से भिन्न यान जिनका लदान रहित भार 600 कि० ग्रा० से अधिक न हो;	172.50
(ग) यान जिनका लदान रहित भार 600 कि० ग्रा० से अधिक है किन्तु एक टन से अधिक न हो;	281.25
(घ) यान जिनका लदान रहित भार एक टन से अधिक है किन्तु दो टन से अधिक न हो;	437.50

(इ) यान जिनका लदान रहित दो टन से अधिक भार है किन्तु तीन टन से अधिक नहीं है;	593.75
(च) यान जिनका लदान रहित भार तीन टन से अधिक है किन्तु 4 टन से अधिक न हो;	875.00
(छ) यान जिनका लदान रहित भार चार टन से अधिक है	1,000.00
(ज) प्रत्येक ट्रेलर के अतिरिक्त ट्रेलर को खींचने के लिए प्रयुक्त यान परन्तु उसी ट्रेलर के सम्बन्ध में इस खण्ड के अधीन दो या उस से अधिक मोटर यान प्रभार्य नहीं होंगे;	62.50
4. (1) किराए पर चलाए जाने के लिए और चालक को छोड़कर यात्रियों के वहन के प्रयोग के लिए, वहन संविदा अनुज्ञापत्र के साथ किराए की गाड़ी/यान ।	100.00 रुपये प्रति सीट
(2) ट्राम कारें	18.75
(3) किराए पर चलने वाली मोटर गाड़ियों और मंजिली गाड़ियों से भिन्न छः व्यक्तियों से अधिक बैठने की क्षमता रखने वाले मोटर यान ।	4,000 रुपये की अधिकतम सीमा के अधीन रहने हुए । 100 रुपये प्रति सीट ।
(4) विशिष्ट मंजिली गाड़ी परमिट के अधीन आने वाली किराए पर और पारिश्रमिक या अन्यथा के लिए चलने वाले यान ।	100 रुपये । प्रत्येक सीट 4,000 रुपये की अधिकतम सीमा के अधीन रहते हुए, 100 रुपये प्रति सीट ।
5. (1) किराए पर चलने वाली चालक और संचालक के अतिरिक्त यात्रियों के वहन के लिए प्रयुक्त मंजिली गाड़ी ।	10,000 रुपये की अधिकतम सीमा के अधीन रहते हुए 2 रुपये प्रति सीट ।
(2) ट्राम कारें	18.75
6. इस अनुसूची के पूर्वगामी उपबन्धों के अधीन कर के लिए दायी से भिन्न मोटर यान जिनका रजिस्ट्रीकृत लदान रहित भार—	
(क) एक हजार किलोग्राम से अधिक नहीं	100.00
(ख) एक हजार किलोग्राम से अधिक किन्तु एक हजार पांच सौ किलोग्राम से अधिक नहीं ।	125.00
(ग) एक हजार पांच सौ किलोग्राम से अधिक किन्तु दो हजार किलोग्राम से अधिक नहीं ।	175.00
(घ) दो हजार किलोग्राम से अधिक	उपरोक्त खण्ड (ब) में विनिर्दिष्ट दर और प्रत्येक एक हजार किलोग्राम और उसके भाग के लिए 125.00.